भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 861
बुधवार, 7 फरवरी, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

डॉप्लर मौसम राडार

† 861. श्री सुधाकर तुकाराम श्रंगारे:
श्री रणजितसिंह नाईक निंबालकर:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सी-बैंड और एक्स-बैंड राडारों के बीच कितना अंतर है और सी और एक्स प्रत्येक बैंड की कवरेज रेंज कितनी है;

(ख) औरंगाबाद (महाराष्ट्र) में एक्स-बैंड डॉप्लर मौसम राडार (डीडब्ल्यूआर), यथासंशोधित, के स्थान पर सी-बैंड राडार लगाए जाने के क्या कारण हैं;

(ग) परियोजना के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति क्या है और इस प्रयोजनार्थ चयनित स्थलों का ब्यौरा क्या है;और

(घ) संपूर्ण मराठवाड़ा क्षेत्र के किसानों को मौसम की सही सूचना प्रदान करने के उद्देश्य से औरंगाबाद (महाराष्ट्र) में उपयुक्त स्थल पर एक्स-बैण्ड डॉप्लर राडार स्थापित करने के लिए सरकार द्वारा क्या नए कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
पृथ्वी विज्ञान मंत्री
(श्री किरेन रीजीजू)

(क)-(ख) सी-बैंड रडार 5 सेमी तरंग दैर्ध्य पर कार्य करते हैं, जबकि एक्स-बैंड रडार 3 सेमी तरंग दैर्ध्य पर कार्य करते हैं। सी -बैंड रडार एंटेना एक्स -बैंड रडार एंटेना से बड़े होते हैं। सी -बैंड रडार अपने केंद्र से 250 किलोमीटर की रेडियल कवरेज प्रदान करता है, जबकि एक्स -बैंड रडार 100 किलोमीटर की दूरी कवर करता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बेहतर रेडियल कवरेज के कारण महाराष्ट्र के औरंगाबाद में सी-बैंड रडार स्थापित करने का प्रस्ताव दिया है। यह औरंगाबाद के साथ-साथ मराठवाड़ा क्षेत्र के आसपास के भागों को भी कवर करेगा।

(ग) स्थापना के लिए साइट सर्वेक्षण पूरा हो चुका है और रडार को म्हैसमल हिल्स, औरंगाबाद में स्थापित करने का प्रस्ताव है तथा भूमि अधिग्रहण के लिए वन विभाग से आवश्यक अनुमोदन मांगे जा रहे हैं। औरंगाबाद में सी बैंड डॉप्लर मौसम रडार की खरीद और स्थापना के लिए निविदा पहले ही प्रकाशित की जा चुकी है।

(घ) सी बैंड डॉप्लर रडार बहुत बेहतर है और एक्स बैंड डॉप्लर रडार की तुलना में यह अधिक क्षेत्र कवर करता है। इसलिए इस स्थान पर एक्स बैंड डॉप्लर रडार की कोई आवश्यकता नहीं है।

*****